GRADE - IX **HINDI**

UNIT TEST II **MM: 20**

नोट - सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

नीचे दिए गए प्रश्नों में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों मे लिखिए । (4)

1- नीचे दिए गए विषय पर एक कहानी लिखिए ।

" अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत"

2- आज का जीवन विज्ञापनों से घिरा है। तरह –तरह के विज्ञापन जीवन के हर क्षेत्र में हमें प्रभवित करते हैं।

'विज्ञापनों का जीवन पर प्रभाव' विषय से संबंधित सभी बिंदुओं का उल्लेख करते हुए सारगर्भित प्रस्ताव लिखिए।

3. एक कहानी लिखिए जिसका प्रारंभ इस लाइन से हो–

ये उन दिनों की बात है जब ——————————————।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए– (3)

क– बड़े घर की बेटी किफायत क्या जाने? उसने सब घी माँस में डाल दिया। लालबिहारी खाने बैठा तो दाल में घी न था। बोला –"दाल में घी क्यों नहीं छोड़ा?

1. एक दिन दोपहर में कौन, क्या लाया ? लालबिहारी का परिचय लिखिए ।
2. आनंदी ने क्या किया? आनंदी का चरित्र– चित्रण लिखिए ।
3. लालबिहारी के कोधित होने का क्या कारण था? विस्तार से लिखिए।
4. पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

ed From www.icse

ख– बालक फिर आँखो से बोलकर मूक खड़ा रहा। आँखे मानो बोलती थी –'यह भी कैसा मूर्ख प्रश्न है ।' (3)

1. किस प्रश्न को सुनकर बालक मूक खड़ा रहा ? उसकी आँखो ने क्या कह दिया ?
2. अपने परिवार के बारे में बालक ने क्या बताया ?
3. लेखक को बालक की किस बात को सुनकर अचरज हुआ ?
4. लेखक और उसका मित्र बालक को कहाँ लेकर गए ? वकील सहाब का पहाड़ी बालकों के संबंध में क्या मत था?

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए– (3)

क–

मेघ आए बड़े बन–ठन के सँबर के।
आगे–आगे नाचती–गाती बयार चली,
दरवाजे–खिड़कियाँ खुलने लगीं गली–गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन–ठन के संवर के।

(i) मेघ कहाँ आए हुए है? कवि को मेघ देखकर क्या प्रतीत हो रहा?

(ii) 'बयार' शब्द से आप क्या समझते है? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहता है?

(iii) दरवाजे–खिड़कियाँ क्यों खुलने लगीं हैं? किसका स्वागत कहाँ पर किस प्रकार किया जाना है? कवि के भाव स्पष्ट कीजिए।

(iv) कविता का केंद्रीय भाव लिखिए।

ख–

खीजत जात माखन खात। अरूण लोचन, भौंह टेढ़ी बार बार जम्हात।। (3)

कबहूँ रूनझुन चलत घुटुरन,धूर धूसर गात।

कबहूँ झुक कैं अलक खेंचत नैन जल भर लात।।

कबहूँ तुतरे बोल बोलत, कबहूँ बोलत तात।

'सूर' हरि की निरखि सोभा, निमिख तजत न मात।।

(i) कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन इस पद के आधार पर कीजिए।
(ii) कबहूँ झुक के अलक खेचत, नैन जल भर लात' पंक्ति की व्याख्या करते हुए बताइए कि वे ऐसा क्यों

कर रहें है?

(iii) माँ यशोदा एक क्षण के लिए भी क्या त्यागना नहीं चाहती?

(iv) शब्दार्थ लिखिए –खीजत जात, अरूण लोचन, अलक, निमिख, गात

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए – (4)

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए

   भूत , अंक

2. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

   अरण्य , उदर

3. विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

   यश , क्रय

4. किसी एक मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य बनाइए।

   हाथ पैर मारना , नौ दो ग्यारह होना